Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op.Hsg.Society, Siddharth Nagar No.2, Goregaon (West), Mumbai - 400 062. • Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta, Eru, Navsari - 396 445 Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

ॐ

1.1.2008
मंगलवार.

2008 युवावर्ष

सभी परमात्माओ को मेरा नमस्कार - - -

आज इस युवावर्ष के प्रथम दिवस पर मैं आपका सबका स्वागत करता हूँ। 2007 तक मेरा कार्यक्षेत्र निश्चित ही था। मेरा उद्देश 2007 तक एक बडी "सामुहिकता की शक्ती" निर्माण करना था, वह अब हो गया है।

अब 2008 मे यह सारि 'सामुहिक शक्ती' मे आप मे बांटना चाहता हूँ। ताकि आप आपके जिवन मे शुन्य शिखर तक पहुच सके। उसके लिये आपको मेरे साथ की सामुहिकता की शक्ती जुडना होगा। परमात्मा का अस्तित्व हमे सामुहिकता मे ही अनुभव होता है। और सामुहिक शक्ती मे ही परमात्मा है। आपको अपने आप को उस परमात्मा से जोडना होगा। मैं जिवन के अब उस मुकाम पर पहुचा हूँ। जहा जीवन मे सब कुछ सुख, समाधान प्राप्त कर लिया है। अब पाने के लिये कुछ भी नही रहा मैं प्रत्येक क्षण अपना अस्तीत्व परमात्मा मय पाता हूँ। और यही सुखमय पुर्णत्व का जिवन आप का भी हो। यही शुद्ध इच्छा करता हुं।

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

यह पुर्णत्व की स्थिती है "मोक्ष" कहलाती है। यह स्थिती शरीर के साथ पाना होती है। सामान्य तह मनुष्य अपने शरीर के सुखो के अधीन होता है। लेकीन अगर "आत्मा" को "परमात्मा" का सानिध्य मील जाये तो शरीर आत्मा के अधीन होना है। और आप आपके ही "गुरु" हो जाते है। आत्मा को परमात्मा का सानिध्य सदैव प्रिय लगता है। "मैं परमात्मा नही हु पर मैं परमात्मामय हु"। आप को इसी लीये मेरे माध्यम से परमात्मा की अनुभुती होती है। अब मेरा सारा अस्तीत्व "गुरुमंत्र" मे विलीन कर रखा हु। अब मंत्र के रुप मे सदैव मैं आपके साथ ही रहुगाँ- शरीर नाशवान है। शक्तीया अविनाशी है। शक्तीयो के लिये अब "मुर्ती एव गुरुमंत्र" ही माध्यम बनेगे आपको जो माध्यम प्रिय लगे उस माध्यम से शक्तीयो से जुडिये। जिवन मे सदैव क्या मिल रहा है, उधर ध्यान मत दो आप क्या दे रहे हो उधर ध्यान दो जो दुसरो को बांटता है, परमात्मा भी उसी को बांटता है। बांटना ही जिवन है। आप देने का संकल्प करो तो भी मेरी सारी शक्तीया आपका संकल्प पुर्ण करने के लिये आपके पीछे हो लेगी।

Satguru Shree Shivkrupanand Swami
Founder :
International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.
India :
Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077
Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755
Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

सबसे पवीत्र "गुरूकार्य" तो आप ही कर सकते हो। गुरूओ को इस धरती पर आमंत्रीत कर के। बच्चे आमंत्रीत होना चाहिये। उस के लिये आप आमंत्रण करने के योग्य बने। गुरू से बडा गुरू का कार्य होता है। यह महान गुरु कार्य आपके हाथ से हो- आप "गुरू" ओ के माँ बाप बने अब यही प्रार्थना है।

"विवाह" दो आत्माओ का मिलन है। और अगर यह मिलन भी आध्यात्मीक प्रगती के उद्देश से होना चाहिये, यह दो आत्माओ की सामुहिकता ही है। अब मेरे जिवन के सब आयोजन पुर्ण हो गये। अब सब कार्यक्रम के आयोजन आप ही करो मैं तो आप के पिछे रहुगा सारी सामुहीकता की शक्तीयों सहीत आप अब मुझे सदैव आपके पिछे पायेंगे। मैं अब शरीर से आपको आपके साथ दिखु या न दिखु आप के हाथ मे चैतन्य के रुप मे दिखुँगा ही, आप जब याद करेगे आप महसुस करेगे की मैं आप ही के साथ हुँ। मैं सदैव सामुहीकता मे होता हुँ।

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

अब यह गुरुकार्य की समर्पण नैया आपको अब समर्पित कर रहा हुँ। अभी तक उसे शुद्ध व पवित्र प्रत्येक "मनुष्य माज" के लिये रखा है। मुझे आप पर सम्पुर्ण विश्वास है। अब आपके हाथो मे सौप कर मैं नाव की "पाल" बनना पसंद करुगाँ "अब आप "पतवार" संभाल लो।" मैं सदैव आप के साथ ही हुँ। क्योकि मेरा अस्तीत्व ही आप से अलग नही है। आप सभी युवावर्ग को यह नववर्ष खुब खुब मुबारक यह वर्ष आपके जिवन सफलताओ के नये पादान ले कर आये। इसी शुद्ध इच्छा के साथ।

आपका —
बाबा स्वामी
1/1/2008
मंगलवार.